JAGRAN CITY PAGE III

विज्ञान कांग्रेस में दूसरे संस्थान देंगे सहयोग

लवि के कुलपति को निजी विश्वविद्यालयों एवं कालेजों ने बैठक में दी सहमति

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में आगामी तीन जनवरी से होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के भव्य वार्षिक सम्मेलन में निजी विश्वविद्यालय एवं कालेज भी सहयोग देंगे। सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंथन कक्ष में विश्वविद्यालयों एवं कालेजों के साथ बैठक कर सहयोग की अपेक्षा की तो सभी ने सहमति दी।

सबसे पहले दोपहर तीन बजे कुलपति ने एमिटी विश्वविद्यालय, ईटीग्रल विश्वविद्यालय, श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय, एरा विश्वविद्यालय, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय और महर्षि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव और निदेशकों के साथ बैठक की। लवि के कुलपति ने संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अधिवेशन में सहभागिता करने के लिए अपील की। यह भी कहा कि अपने स्तर से इस अधिवेशन में विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस, हास्टल, यातायात साधन सहित जो भी सहयोग करना चाहें, जरूर करें। विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने विस्तृत रूपरेखा मांगी है ताकि बेहतर सहयोग कर सकें।

प्रतिभागियों को घर में भी ठहरा सकते है : पांच जिलों के करीब 40 सहयुक्त महाविद्यालयों एवं राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक में कुलपति ने अपने स्तर से भारतीय विज्ञान कांग्रेस अधिवेशन में सहभागिता के लिए कहा। यदि प्राचार्य चाहें तो वे स्वयं अथवा अपने शिक्षकों को यह प्रस्ताव दे सकते हैं कि उनकी इच्छा के अनुसार कुछ प्रतिभागियों को अपने घर पर ठहराने की व्यवस्था कर सकें। इससे बाहर से आने वाले प्रतिभागी हमारी संस्कृति से भी परिचित होंगे और देश में भाईचारे की संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा महाविद्यालयों के गेस्ट हाउस, हास्टल और यातायात के साधन में भी जो सहयोग करना चाहें वे अवश्य सहयोग करें।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने दोपहर तीन बजे मथन हाल मे दूसरे विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति व कुलसचिव के साथ बैठक की ● सौ. लवि

सभी संस्थान समय से पूरा करें पाठ्यक्रम : कुलपति

बैठक में नई शिक्षा नीति (एनईपी) लागू करने पर भी चर्चा हुई। कुछ विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि उनके यहां मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों में एनईपी के अनुसार पाठ्यक्रम को लागू कर दिया गया है। कुछ ने बताया कि वे इसे लागू करने की प्रक्रिया में है। प्राचार्यो से कुलपति ने पाठ्यक्रम को पूरा कराने के लिए कहा है, जिससे समय से परीक्षा हो एवं परीक्षा परिणाम जारी हो सकें। साथ ही आगामी सत्र की कक्षाएं भी समय से संचालित की जा सकें। कालेजों को एकेडमिक आडिट की रिपोर्ट अवश्य जमा करने के निर्देश भी दिए गए।

लवि : 10 विभागों के वोकेशनल कोर्स वेबसाइट पर अपलोड

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आखिरकार स्नातक दूसरे व चौथे सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले वोकेशनल कोर्स अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इनमें 10 विभागों के कोर्स शामिल हैं। दैनिक जागरण ने आठ मई के अंक में 'वेबसाइट पर नहीं वोकेशनल कोर्स का सिलेबस' खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। हालांकि इस बार एकेडमिक्स पर क्लिक करने के बाद डिपार्टमेंट में सिलेबस के कालम में कोर्स अपलोड न करके विभागवार दिया गया है। इससे कालेजों को कोर्स ढूंढने में दिक्कत भी आ रही। लवि ने सत्र 2022-23 में यूजी दूसरे व चौथे सेमेस्टर के लिए 21 अप्रैल को 61 वोकेशनल कोर्स की सूची जारी की थी। दूसरे सेमेस्टर में 34 और चौथे सेमेस्टर में 27 कोर्स शामिल किए गए। कालेजों को भी इन्हीं में से अपने पढ़ाई करानी है, लेकिन केमिस्ट्री व एक अन्य विभाग को छोड़कर किसी भी विभाग का कोर्स अपलोड न होने से कक्षाएं शुरू होने में समस्या हो रही थीं। जागरण ने उनकी समस्या को उठाया था। अब 10 विभागों के कोर्स वेबसाइट पर अपलोड हो गए हैं।

इनका वोकेशनल कोर्स अपलोड : अंग्रेजी, पालिटिकल साइंस, संस्कृत एवं प्राकृतिक भाषा, केमिस्ट्री, कंप्यूटर साइंस, भूविज्ञान विभाग, मैथ्स एवं एंट्रोनामी विभाग, भौतिक विज्ञान विभाग, सांख्यिकी, जंतु विज्ञान विभाग।

लवि और नेशनल सहित कई कालेजों में आवेदन 31 तक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : सभी बोर्डों के इंटरमीडिएट परीक्षाओं के परिणाम जारी होने के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय एवं डिग्री कालेजों में स्नातक के प्रवेश के लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। लवि, नेशनल पीजी कालेज सहित कई कालेजों ने स्नातक में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई तय की है। लवि, नेशनल कालेज, आइटी कालेज और नेताजी सुभाष चंद्र बोर्स राजकीय पीजी कालेज में दाखिले प्रवेश परीक्षा से होंगे। अन्य सभी जगह मेरिट से प्रवेश मिलेंगे।

नेशनल पीजी कालेज ने स्नातक के आवेदन की प्रक्रिया 25 मार्च से शुरू की थी। यहां 1800 सीटों पर चार हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। दाखिले लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएटेड मैनेजमेंट कालेज एडमिशन टेस्ट (लुआक्मैट) और लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएटेड कालेज कामन एंट्रेंस टेस्ट (लुआक्सैट) से होंगे।

लवि में 4500 सीटों पर होंगे प्रवेश : लवि कैंपस में स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों में ईडब्ल्यूएस कोटे को मिलकर 4500 सीटें हैं। इन पर दाखिले प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे। आवेदन का मौक 31 मई तक है।

यहां भी अंतिम तिथि तय

अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज ने आवेदन की तिथि 15 मई से बढ़ाकर अब 25 मई कर दी है। जय नारायण मिश्र पीजी कालेज (केकेसी), कालीचरण पीजी कालेज, नवयुग कन्या महाविद्यालय मे 31 मई तक आवेदन होंगे। बपा श्री नारायण वोकेशनल पीजी कालेज (केकेवी) में यूजी के आवेदन लिए 15 जून तक समय दिया गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज में स्नातक के 650 आवेदन आ चुके हैं। 30 जून तक आवेदन होंगे। दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा जुलाई में होगी।

विषम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीफार्मा तीसरे सेमेस्टर और एलएलबी पांचवें सेमेस्टर के परिणाम जारी कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी निर्देश के अनुसार विद्यार्थी www.lkouniv.ac.in पर परिणाम देख सकते है। (जासं)

प्रो.अवधेश बने डीन सीडीसी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने कामर्स विभाग के हेड प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी को फिर से डीन कालेज डेवलपमेंट काउंसिल (सीडीसी) बनाया गया है। उनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल के लिए मान्य होगा। वहीं, कंप्यूटर साइंस विभाग के डा. पुनीत मिश्रा को यूनिवर्सिटी डेटा रिसोर्स सेंटर का इंचार्ज बनाया है। उनके पास यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। (जासं)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 4

प्रो. अवधेश दोबारा डीन सीडीसी नियुक्त

लखनऊ। लविवि के कॉमर्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी को फिर से तीन वर्ष के लिए डीन कॉलेज डवलपमेंट काउंसिल (सीडीसी) बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उनके सेवा विस्तार को मंजूरी दी। कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी ने बताया कि प्रो. त्रिपाठी दोबारा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगले तीन वर्ष तक इस पद पर बने रहेंगे। (संवाद)

लविवि ने आईएससी के लिए मांगा सहयोग

लखनऊ। लविवि में अगले वर्ष तीन से सात जनवरी के बीच होने भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) की तैयारियों को लेकर सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने निजी विवि व संबद्ध महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों संग बैठक की। इस दौरान इन सभी से कहा कि आप लोग विज्ञान कांग्रेस के अधिवेशन में गेस्ट हाउस, हॉस्टल, यातायात अथवा किसी भी तरह की मदद कर सकते हैं। (संवाद)

डॉ. पुनीत यूडीआरसी के प्रभारी नियुक्त

लखनऊ। लविवि के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी डॉ. पुनीत मिश्रा को विश्वविद्यालय डेटा संसाधन केंद्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। कुलसचिव प्रो. संजय मेधावी के पत्र के मुताबिक वह अगले तीन वर्षों तक इस पद सेवा देंगे। (संवाद)

i-NEXT PAGE 4

एलयू ने दिसंबर के एग्जाम का रिजल्ट किया जारी

LUCKNOW (15 May, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने सोमवार को विषम सेमेस्टर दिसंबर 2022 के एग्जाम्स का रिजल्ट जारी किया. रिजल्ट में एमए लिंग्विस्टिक सेमेस्टर 1, बीकॉम ऑनर्स 5 सेमेस्टर, बीएससी 5 सेमेस्टर, एलएलबी इंटीग्रेटेड नौंवे सेमेस्टर, एलएलबी पांच वर्षीय 2016 नौंवे सेमेस्टर, एलएलबी 5 वर्षीय 2017 नौंवे सेमेस्टर एमबीए लुम्बा फर्स्ट सेमेस्टर, बी फार्मा थर्ड सेमेस्टर, एलएलबी थर्ड ईयर का रिजल्ट जारी कर दिया है. स्टूडेंटस एलयू की वेबसाइट पर www.lkouniv.ac.in रिजल्ट देख सकते हैं.

AMRIT VICHAR PAGE 4

एलएलबी तीन व पांच वर्षीय पाठ्यक्रमों के नतीजे जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तीन व पांच वर्षीय समेत नौ पाठ्यक्रमों के नतीजे जारी किए है। दिसंबर 2022 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में अब तक एमए लिंग्विस्टिक्स प्रथम सेमेस्टर, बीकॉम आनर्स एलएलबी तीन वर्षीय व बीएससी के पांचवें सेमेस्टर, इंटीग्रेटेड एलएलबी, एलएलबी पांच वर्षीय (2016 व 17) के नर्व, एमबीए (लुम्बा) के प्रथम और बीफार्मा के तीसरे सेमेस्टर के परिणाम घोषित किए गए है।

सीडीसी के डीन बने रहेंगे प्रो. अवधेश कुमार

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कॉलेज डेवलेपमेंट काउंसिल के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार त्रिपाठी के कार्यकाल को बढा दिया गया है। वाणिज्य विभाग के प्रो. अवधेश अब अगले तीन वर्षों या अग्रिम आदेशों तक इस पद पर बने रहेंगे। इस संबंध में कुलसचिव संजय मेधावी ने आदेश जारी किया है।

TOI PAGE 2

Surgical strike to be part of LU def studies

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Balakot airstrikes, Pulwama attack and surgical strike will be part of syllabus of Lucknow University's defence studies from the academic session 2023-24.

The new addition was approved in the board meeting of defence studies department recently and will be taught to BA sixth semester students.

"The 2016 surgical strike and 2019 Balakot air strike have been included in defence studies syllabus as per the New Education Policy under the theme of 'Nation First: No Second Thought on National Security'. Also, students will be reading about the Pulwama attack," said defence studies head prof OP Shukla.

He added "In the Balakot airstrikes topic, we will teach that Indian Air Force's airstrikes were in retaliation to the Pulwama attack that took place on February 26, 2019. The operation was codenamed Operation Bandar. Similarly, every detail about the surgical strike 2016 will be taught to students. Also, we have added Bhopal gas tragedy of 1984 to the syllabus."

Meanwhile, postgraduate students will study new weapons, role of chemical and biological technology and its relationship with the army and all about new military technology and conventional weapons. Earlier, the UP government had amended the syllabus for defence studies in state universities and had directed to include topics on the Pulwama attack and surgical strike nder the National Education Policy.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय में एनईपी लागू कराने पर मंथन

कॉलेजों और अन्य निजी विश्वविद्यालयों के साथ लविवि कुलपति ने की बैठक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ ।लविवि के मंथन कक्ष में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एमिटी विश्वविद्यालय, ईटीग्रल विश्वविद्यालय, श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय, इरा विश्वविद्यालय, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय और महर्षि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव और निदेशकों के साथ बैठक की।

इस बैठक का उद्देश्य नई शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करनाए आगामी जनवरी में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस अधिवेशन में उनकी सहभागिता और 20 मई को राजनीति विज्ञानए लखनऊ विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में तमिलनाडु के राज्यपाल के आगमन के विषय में था। कुछविश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि उनके यहां मानविकीए सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों में नईशिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम को लागू कर दिया गया है और कुछ ने बताया कि वे इसे लागू करने की प्रक्रिया में है। इसके पश्चात सभी ने कुलपति जी के कहने पर कि वे लोग अपने यहां के छात्र और शिक्षकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अधिवेशन में सहभागिता करने के लिए प्रेरित करें और अपने स्तर से इस अधिवेशन में जो विश्वविद्यालय जो भी सहयोग करना चाहते हैंए चाहे वह गेस्ट हाउस के रूप में होए हॉस्टल के रूप में हो अथवा चाहे वह यातायात साधन के रूप में होए अवश्य सहयोग करें। इन विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने कहा कि हमें विस्तृत रूपरेखा प्रेषित कर दिया जाए और हम लोग अपना बेहतर सहयोग लखनऊ विश्वविद्यालय को प्रदान करेंगे।

इसके बाद इसी क्रम में कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच जनपदों के सहयुक्त महाविद्यालयों एवं राजकीय महाविद्यालयों के आमंत्रित किए गए लगभग 40 प्राचार्यों के साथ 4 बजे अपराह्न बैठक की। इस बैठक में कुलपति ने सभी प्राचार्यों से अपने अपने स्तर से भारतीय विज्ञान कांग्रेस अधिवेशन में सहभागिता करने के लिए कहा। कुलपति ने यह भी कहा की वे लोग यदि चाहें तो स्वयं अथवा अपने शिक्षकों को यह प्रस्ताव भी दे सकते हैं कि यदि उनकी इच्छा हो तो वे इस अधिवेशन में आने वाले कुछ प्रतिभागियों को अपने अपने घर पर अपनी इच्छानुसार ठहराने की भी व्यवस्था कर सकते हैं। जिससे बाहर से आने वाले प्रतिभागी हमारी संस्कृति से भी परिचित होंगे और देश में भाई चारे की संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा महाविद्यालयों के गेस्ट हाउस, हॉस्टल और यातायात के साधन में भी जो सहयोग करना चाहें वे अवश्य सहयोग करें, विश्वविद्यालय भी अपने स्तर से समुचित प्रयास कर रहा है। बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को ये संदेश जाए कि यह आयोजन केवल लखनऊ विश्वविद्यालय का ही नहींए वरन पूरे लखनऊ शहर का है इसके बाद कुलपति ने सभी प्राचार्यों से कहा कि वे अपने स्तर से पाठ्यक्रम को पूरा कराने का प्रयास करेंए जिससे समय से परीक्षा हो एवं परीक्षा फल समय से निकले और आगामी सत्र की कक्षाएं समय से संचालित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि कालेज एकेडमिक ऑडिट की रिपोर्ट अवश्य जमा कर दें। कुछ महाविद्यालयों के प्राचार्य द्वारा अनुरोध करने पर कुलपति ने नैक की तैयारियों और प्रोन्नति के एपीआई के लिए निदेशक आइक्यूएसी को निर्देशित किया कि वह महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन करें जिससे महाविद्यालयों के शिक्षकों को नैक की तैयारी और एपीआई के विषय में समुचित जानकारी प्राप्त हो सके।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 9

अतिथियों को अपने घर पर भी ठहरा सकते हैं शिक्षक

- लखनऊ विवि कुलपति ने दिया प्रस्ताव
- नई शिक्षा नीति को लागू करने पर भी हुई बात

लखनऊ (एसएनबी) । नई शिक्षा नीति को लागू करने और आगामी जनवरी 2024 में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस अधिवेशन में उनकी सहभागिता और 20 मई 23 को राजनीति विज्ञान, लखनऊ विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में तमिलनाडु के राज्यपाल के आगमन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति ने विश्वविद्यालयों के कुलपति, रजिस्ट्रार, निदेशक और 40 राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य के साथ बैठक की & विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में कुलपति प्रोफेसर आलोक कमार राय ने राजधानी के प्राइवेट विश्वविद्यालय जैसे एमिटी विश्वविद्यालय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय, इरा विश्वविद्यालय, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय और महर्षि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव और निर्देशकों के साथ बैठक की। कुछ विश्वविद्यालय के कलसचिव ने बताया कि उनके यहां मानविकीं, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों में नई शिक्षा नीति के अनसार पाठ्यक्रम को लागू कर दिया गया है और कुछ ने बताया कि वे इसे लागू करने की प्रक्रिया में है। इसके पश्चात सभी ने कुलपति के कहने पर कि वे लोग अपने यहां के छात्र और शिक्षकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अधिवेशन में सहभागिता करने के लिए प्रेरित करें और अपने स्तर से इस अधिवेशन में जो विश्वविद्यालय जो भी सहयोग करना चाहते है, चाहे वह गेस्ट हाउस के रूम में हो, हॉस्टल के रूम में हो अथवा चाहे वह यातायात साधन के रूम में हो, अवश्य सहयोग करें। इन विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने कहा कि हमें विस्तृत रूपरेखा प्रेषित कर दिया जाए और हम लोग अपना बेहतर सहयोग लखनऊ विश्वविद्यालय को सहायता देंगे।

PIONEER PAGE 3

साइंस कांग्रेस को लेकर मैराथन बैठक आयोजित

- एलयू वीसी ने मांगा निजी विश्वविद्यालयों सहित कालेजों से सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई शिक्षा नीति को लागू करने के साथ ही आगामी जनवरी में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस अधिवेशन को लेकर सोमवार को लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और उनके प्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में एमिटी विवि, इंटीग्रल विवि, रामस्वरूप विवि, इरा विवि, बाबू बनारसी दास विवि और महर्षि विवि के कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव और निदेशक शामिल हुए।

बैठक में नई शिक्षा नीति को लेकर कुछ विवि के कुलसचिव का कहना था कि उनके यहां मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों में नई शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम को लागू कर दिया गया है। कुछ का कहना था कि वे इसे लागू करने की प्रक्रिया में है। इसके पश्चात सभी ने कुलपति के कहने पर कि वे लोग अपने यहां के छात्र और शिक्षकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अधिवेशन में सहभागिता करने के लिए प्रेरित करें और अपने स्तर से इस अधिवेशन में जो विवि जो भी सहयोग करना चाहते हैं, चाहे वह गेस्ट हाउस के रूप में हो, हॉस्टल के रूप में हो अथवा चाहे वह यातायात साधन के रूप में हो, अवश्य सहयोग करें। प्रतिनिधियों ने कहा कि हमें विस्तृत रूपरेखा प्रेषित कर दिया जाए और हम लोग अपना बेहतर सहयोग लखनऊ विश्वविद्यालय को प्रदान करेंगे। इसके बाद इसी क्रम में कुलपति ने लखनऊ विवि के 5 जनपदों के सहयुक्त महाविद्यालयों एवं राजकीय महाविद्यालयों के लगभग 40 प्राचार्यों के साथ बैठक की। कुलपति ने सभी प्राचार्यों से अपने अपने स्तर से भारतीय विज्ञान कांग्रेस अधिवेशन में सहभागिता करने के लिए कहा। कुलपति ने यह भी कहा की वे लोग यदि चाहें तो स्वयं अथवा अपने शिक्षकों को यह प्रस्ताव भी दे सकते हैं कि यदि उनकी इच्छा हो तो वे इस अधिवेशन में आने वाले कुछ प्रतिभागियों को अपने अपने घर पर अपनी इच्छानुसार ठहराने की भी व्यवस्था कर सकते हैं। जिससे बाहर से आने वाले प्रतिभागी हमारी संस्कृति से भी परिचित होंगे और देश में भाई चारे की संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। महाविद्यालयों के गेस्ट हाउस, हॉस्टल और यातायात के साधन में भी जो सहयोग करना चाहें वे अवश्य सहयोग कर, विश्वविद्यालय भी अपने स्तर से समुचित प्रयास कर रहा है। बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को ये संदेश जाए कि यह आयोजन केवल लखनऊ विवि का ही नहीं, वरन पूरे लखनऊ शहर का है। कुलपति ने सभी प्राचार्यों से कहा कि वे अपने स्तर से पाठ्यक्रम को पूरा कराने का प्रयास करें, जिससे समय से परीक्षा हो एवं परीक्षा फल समय से निकले और आगामी सत्र की कक्षाएं समय से संचालित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि कालेज एकेडमिक ऑडिट की रिपोर्ट अवश्य जमा कर दें। कुछ महाविद्यालयों के प्राचार्य के प्रस्ताव पर कुलपति ने नैक की तैयारियों और प्रोन्नति के एपीआई के लिए निदेशक आइक्यूएसी को निर्देशित किया कि वह महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन करें। जिससे महाविद्यालयों के शिक्षकों को नैक की तैयारी और एपीआई के विषय में समुचित जानकारी प्राप्त हो सके।